परमात्म ऊर्जा

स्वप्न दोष से बचने की विधि

कई कहते हैं कि हम व्यर्थ कर्म में नहीं आते लेकिन हमें खराब स्वप्न आते हैं। अगर किसी को व्यर्थ व विकारी स्वप्न, लगाव के स्वप्न आते हैं तो अवश्य सोने के समय अलबेलेपन में सोये हैं। चेक करो - सोते समय बापदादा को सारे दिन का पोतामेल देकर खाली बुद्धि करके सोये? ऐसे नहीं कि थके हुए आये और बिस्तर पर सोने चले गए, यह भी अलबेलापन है। दिन भर में भल चाहे विकर्म भी नहीं किया हो, संकल्प भी नहीं किया लेकिन गंदे स्वप्न, अलबेलापन की सज़ा है।

बाप का फरमान है ही - सोते समय सदा अपनी बुद्धि को खाली करो फिर बाप के साथ सो जाओ, अकेले नहीं सो जाओ। अकेले सोते हो ना तभी बुरे स्वप्न आते हैं। अगर बाप के साथ सोयेंगे तो कभी ऐसे बुरे स्वप्न ही नहीं आ सकते। बच्चे फरमान को पूरा नहीं मानते हो तो अरमान मिलता है अर्थात् सुबह को उठकर के दिल में सोच चलता है ना कि मेरी पवित्रता स्वप्न में खत्म हो गई। यह कितना बड़ा अरमान बर्बाद होता है, कारण है - अलबेलापन। जैसे आया वैसे, यहाँ-वहाँ की बातें करते-करते नहीं सो जाओ। व्यर्थ बातों का वर्णन करते-करते सोना यह भी अलबेलापन फरमान का उल्लंघन है।

अगर और टाइम नहीं है और जरुरी बातें हैं तो सोने वाले कमरे में नहीं बात करना लेकिन कमरे के बाहर जाकर दो सेकण्ड में एक-दो को जो बातें हैं वह सुना दो, परन्तु सोते-सोते नहीं सुनाओ। बापदादा तो सब कुछ देखते हैं ना कि, बच्चे सोते कैसे हैं। बापदादा एक सेकण्ड में सारे विश्व का चक्कर लगा लेते हैं। वतन की टीवी में भी देखते हैं कि सो कैसे रहे हैं, बातें कैसे कर रहें है, सोते समय क्या-क्या देख रहे हैं, कहीं-कहीं तो कोई-कोई बातें करते-करते 12 बजा देते हैं इसलिए बाप के हर फरमान पर चलते चलो तो स्वप्न में भी कभी हार नहीं होगी और हर अरमान पूरे ना हों यह हो नहीं सकता।

कथा सरिता

असफलता की कीमत

एक खिलाड़ी दौड़ प्रतियोगिता की तैयारी कर रहा था। वह हर बार अभ्यास में गिर जाता, कभी ट्रैक पर फिसलता, तो कभी सांस फूल जाती। लोग उसका मज़ाक उड़ाते - "तुमसे नहीं होगा!"

एक दिन कोच ने उसे एक लकड़ी दिखाई और कहा - "इसमें एक कील ठोकनी है, लेकिन हर चोट की कीमत है।" खिलाड़ी ने कील ठोकने की कोशिश की, पर कई बार हथौड़ा उसकी उंगलियों पर पड़ गया। वह दर्द से परेशान हो गया और बोला - "इतना दर्द क्यों?"

कोच ने मुस्कुराकर कहा - "जिस दिन यह कील अंदर धँस जाएगी, वही दिन सफलता का होगा। लेकिन हर चोट, हर असफलता, हर गिरना ... ये सब उसकी सफलता की कीमत है।"

खिलाड़ी ने यह बात दिल में बैठा ली। वह गिरता, फिर उठता, फिर दौड़ता। उसकी मेहनत बढ़ने लगी। कुछ महीनों बाद उसकी प्रतियोगिता में उसने पहला स्थान हासिल किया। जब उसने ट्रॉफी पकड़ी, उसे कोच की वह बात याद आई - "सफलता मुफ्त नहीं मिलती, हर संघर्ष उसकी कीमत बनकर चुकाना पड़ता है।"

सीख : असफलता रास्ता नहीं रोकती - वह हमें सफलता के लिए तैयार करती है।

किसान और पत्थर का टुकड़ा

एक किसान खेत में हल चला रहा था। बार-बार हल एक छोटे पत्थर से टकरा जाता। वह परेशान होकर बोला - "ये छोटा-सा पत्थर मेरा पूरा काम खराब कर देता है!" इतना कहकर उसने पत्थर को हटाया तो देखा कि उसके नीचे मिट्टी में एक पुराना मटका दबा है जिसमें सिक्के भरे हुए थे। किसान आश्चर्य में पड़ गया कि जो चीज़ उसे तकलीफ दे रही थी, वही छुपे धन का रास्ता भी थी।

उसने घर जाकर अपने बच्चों से कहा, "कभी-कभी परेशानियाँ हमारे जीवन में इसलिए आती हैं ताकि वे हमें किसी बड़े खज़ाने तक पहुँचा सकें- बस हमें धैर्य और नज़र की ज़रूरत होती है।"

सीख : हर बाधा में मौका छुपा होता है। यदि हम रूककर देखें और समझें, तो वही रूकावट जीवन का सबसे बड़ा वरदान बन सकती है।

आगरा-आर्ट गैलरी म्यूज़ियम(उ.प्र.)। ब्रह्मा बाबा(दादा लेखराज) के स्मृति दिवस पर कार्यक्रम के दौरान सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. संगीता। साथ हैं मंचासीन हैं स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मधु, ब्र.कु. माला। मौके पर ब्र.कु. सपना, ब्र.कु. सविता, ब्र.कु. रेखा, ब्र.कु. बिजेंद्र, रामबहादुर, रामदास, अनूप, विवेक, संजय सहित अनेक ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

रामगंज मंडी-राज.। राम कथा के पावन अवसर पर प्रसिद्ध कथावाचक पं. धीरेंद्र शास्त्री को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शीतल। साथ हैं ब्र.कु. जागृति, ब्र.कु. गरिमा एवं ब्र.कु. हर्षिता।

दिल्ली-गाजीपुर। स्थानीय सेवाकेन्द्र का 24वां वार्षिक उत्सव व उमेश भाई के गोल्डन जुबली कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुधा, ब्र.कु. अनु,कृष्णा नगर, ब्र.कु. जगरूप, ब्र.कु. बलवीर बहन,शाहदरे, ब्र.कु. उर्मिला,स्वास्थ्य विहार एवं अन्य ब्रह्माकुमारी बहनें।

दिल्ली-पीतमपुरा। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्माबाबा(दादा लेखराज) के 57वें 'स्मृति दिवस' के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात् चित्र में एसोसिएशन की सीनियर रश्मि, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रभा तथा अन्य।

दिल्ली-दिलशाद गार्डन। इंडियन नेवी ईसीएचएस पॉलिक्लिनिक,शाहदरा में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् सीओआर,ईसीएचएस,नेवी के कर्नल रविंदर सिंह तेवतिया को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. नीता। साथ हैं डॉ. संध्या,पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी,दिल्ली सरकार, डॉ. मृदुशी बंसल तथा अन्य।

मोतिहारी-बिहार। ऐतिहासिक चंद्रहिया गांधी आश्रम परिसर में स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मासिक कार्यक्रम 10बजे 10 मिनट सेनानी के नाम के अंतर्गत जिले के महान स्वतंत्रता सेनानी भोलाराय तूफानी की याद को समर्पित कार्यक्रम में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विभा एवं ब्र.कु. करुणा को सम्मानित किया गया।

फतेहगढ़-उ.प्र.। जयनारायण वर्मा रोड स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के 57वें पुण्य स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात् समूह चित्र में पुलिस अधीक्षक आरती सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष वत्सला अग्रवाल,फर्रुखाबाद, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुमन दीदी, ब्र.कु. मीरा, ब्र.कु. राधिका एवं अन्य।

रूड़की-उत्तराखंड। विश्व शांति दिवस के उपलक्ष्य में अपने विचार व्यक्त करते हुए महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 मैत्री गिरि जी महाराज। साथ मंचासीन हैं पुलिस अधीक्षक चन्द्र शेखर सुयाल, राष्ट्रीय संस्कृति सनातन धर्म के अध्यक्ष सुधांशु वत्स जी, ब्र.कु. गीता एवं ब्र.कु. दीपिका।